# ‘‘माँ’’ तो शहद है...

- ब्र.कु. मोनिका,शांतिवन

हर दौर में ‘माँ’ ने बहुत कुछ छिपाया, छुपाया और झेला! कुछ अपनों के लिए, कुछ दूसरों के लिए। कभी बच्चों को पिता के क्रोध से बचाया, तो कभी पोटली में सहेजे टूटे-फूटे नोट थमाए और कहा जा कुछ ले ले! कभी शहद बन दुलराया, तो कभी नीम बन जीवन का कठिन पाठ पढ़ाया। वाकई ‘माँ’ तो हवन कुंड है, जिसमें बच्चा अपनी हर बुराई की आहुति दे उससे निकली ऊर्जा को ताउम्र संचित करता है। माँ एक चिरंतन युग की तरह है, जो कभी खत्म नहीं होगी!

सच है, यह माँ, त्याग की मूर्ति, बलिदान की बेटी है या नहीं, पर वह ‘पावर हाऊस’ ज़रूर है जो थके हारे बच्चे में जीवन-मंत्र फूंक देती है। माँ का वर्गीकरण नामुमकिन है, ना ही उसे शहर व देहात की परिधि में बांधा जा सकता है। माँ सिर्फ माँ होती है।

माँ कभी शब्द, व्यवहार, आचरण तो कभी व्यक्तित्व बन साथ रहती है। चाहे वो गृहस्थी संभालने का अंदाज़ है, कर्मक्षेत्र पर कार्यकुशल होना, माँ की छाप हर जगह रहती है।

मानव मनोविज्ञान भी कहता है कि माँ और बच्चे का रिश्ता कई विरोधाभासों के बाद भी एक उम्र आने के बाद ‘एक’ हो जाता है। हमसे लोग कहने लगते हैं कि माँ हमारी सबसे प्रखर अवचेतन गुरु है, जो धीरे-धीरे चेतन स्तर पर गुरु हो जाती है।

**माँ तेरे दूध का हक।**
**मुझसे अदा क्या होगा।।**
**तू अगर रोई तो खुश।**
**मुझसे खुदा क्या होगा।।**

भाव यह है कि पूरे जीवन माँ अपना सबकुछ अपने बच्चों पर वार देती है, फिर भी खुदा हम बच्चों को तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक हम अपने आपको उस स्थिति में नहीं ले आ पाते

जिससे खुदा खुश हो। माँ की ममता में वो प्यार छलकता है, जिस प्यार को लोग खुदा से प्राप्त करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए दादी प्रकाशमणि जब ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रमुख थीं तो उनके आभामण्डल में वो ममत्व छलकता था जो हमें भगवान के नज़दीक महसूस कराता था। वो साक्षात वात्सल्य की देवी और परमात्मा माँ की छत्रछाया थीं, क्योंकि परमात्मा को हम मात-पिता भी कहते हैं ना! तो उस परमात्मा के मातृत्व की भूमिका कोई साकार मनुष्य ही अच्छी तरह से निभा सकता है। आज हमारे ब्रह्माकुमारी संस्था में दादी जानकी, दादी गुलज़ार परमात्मा माँ की छवि के साक्षात मूर्ति हैं जिसको देखने के लिए हज़ारों की भीड़ उमड़ती है और सभी उनकी एक झलक पाने को तरसते हैं, कारण सिर्फ वात्सल्य का ही तो है। माँ के सर्वस्व समर्पण भाव के कारण ही उसे भगवान का दर्जा दिया गया है। माँ में विशेषताएं तो सारी ही हैं, लेकिन एक मुख्य विशेषता है कि उन जैसी पालना कोई कर नहीं सकता। इसी कारण वे अपने बच्चों को सिर्फ शिक्षित ही नहीं बनाती, बल्कि गढ़ती व सभ्य बनाती है। जिस प्रांत में या देश में माँ अपनी पालना देकर संतान या नागरिक देती है वो देश कितना महान होगा! इसीलिए ही तो अपनी धरती को मातृभूमि भी कहते हैं। वे अपनी संतानों को उस तरह गढ़ती है जो एक अच्छा नेतृत्व कर सके। इसीलिए माँ को पहला गुरु भी कहते हैं। जीवन में निरंतर उत्सव है मातृत्व की भावना। पश्चिमी देशों की तुलना में सौभाग्यशाली हैं हम भारतीय कि अभी भी यहाँ विभिन्न पर्व प्रतीकों के रूप में मौजूद है यह छांव।

**तुम मेरा आगाज़ हो, मेरी आवाज़ हो।**
**जब तुम पाती हो सम्मान, तो हम चल पड़ते हैं सीना तान।।**
**जब हमें सराहती है दुनिया।**
**तो आप कहते हो तुम ही हो मेरी दुनिया।।**
**तुम सब्र हो, तुम जन्नत हो, तुम्हीं तो ईमान हो।**
**तुम्हीं तो माँ हो, तुम्हीं तो माँ हो,तुम्हीं तो माँ हो, तुम्हीं तो माँ हो।।**

**भैरहवा-नेपाल।** नेपाल के माननीय अर्थमंत्री विष्णु पौडेल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शान्ति। साथ हैं ब्र.कु. भूपेन्द्र अधिकारी।

**कानपुर-जरौली।** जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. दुलारी एवं ब्र.कु. दीपा।

**बोकारो-झारखण्ड।** शिव जयंती पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मनोज जयसवाल,संयुक्त सचिव,गृह विभाग, भवनीत सिंह,सिख धर्म के अध्यक्ष, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम, ब्र.कु. सुनीता व ब्र.कु. डॉ. के. दास।

**कठुआ-जम्मू कश्मीर।** आर्य समाज की ओर से आयोजित रैली का स्वागत करने के पश्चात् आचार्य उषरबुद्ध को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. वीणा। साथ हैं ब्र.कु. गुलशन ज्योति व अन्य।

**बहराइच-वाराणसी(उ.प्र.)।** नगरपालिका चेयरमैन हाजी रेहान खाँ का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते हुए ब्र.कु. साधना। साथ हैं ब्र.कु. भावना व अन्य।

**सम्बलपुर-ओडिशा।** महाशिवरात्रि महोत्सव में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. चितरंजन त्रिपाठी,वाइस चांसलर,सम्बलपुर यूनिवर्सिटी, गौरव शर्मा,कर्नल, ब्र.कु. पार्वती व अन्य।

**धरमशाला-हि.प्र.।** ओमान इंटरनेशनल क्रिकेट टीम के कप्तान सुल्तान अहमद को स्पोर्ट्स विंग की गतिविधियों से अवगत कराने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. दीपक व ब्र.कु. बिन्दू।

**कमालगंज-उ.प्र.।** शिवरात्रि के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य उर्मिला यादव को ‘भगवान आ चुके हैं’ नामक संदेश पत्र भेंट करते हुए ब्र.कु. ऊषा। साथ हैं ब्र.कु. सुमन और ब्र.कु. रिया।

**कन्नौज-ठठिया।** शिव जयंती पर केक काटते हुए ब्र.कु. सुमन, ब्र.कु. हीरा, ब्र.कु. रोशनी, दन्डी स्वामी जी व अन्य।

**रूरा-उ.प्र.।** शिव ध्वजारोहण के पश्चात् परमात्म स्मृति में चेयरमैन संदीप कश्यप, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. बामेलाल, ब्र.कु. ज्ञानेन्द्र, डॉ. चौहान व अन्य।